

निग्रहण पुं. (तत्.) रोकने का कार्य, थामने का कार्य 2. दंड देने का कार्य 3. बंधन 4. पराजय, पराभव 5. युद्ध, लड़ाई।

निग्रहना स.क्रि. (तद्.) 1. पकड़ना, थामना 2. रोकना 3. दंड देना।

निग्रह स्थान पुं. (तत्.) वाद विवाद या शास्त्रार्थ में वह अवसर जहाँ दो शास्त्रार्थ करने वालों में से कोई उलटी-पलटी या नासमझी की बात कहने लगे और उसे चुप करके शास्त्रार्थ बंद कर देना पड़े। यह पराजय का स्थान हो।

निग्रही पुं. (तत्.) 1. रोकने वाला, दबाने वाला 2. दंड देने वाला।

निग्राह पुं. (तत्.) 1. आक्रोश, शाप 2. दंड।

निग्राहक वि. (तत्.) वह मनुष्य जो अपराधियों को दंड दे।

निघंटिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का कंद।

निघंटु पुं. (तत्.) वैदिक शब्दों का संग्रह, वैदिक कोश, शब्द संग्रह।

निघ पुं. (तत्.) 1. कंदुक, गेंद 2. पाप।

निघटना अ.क्रि. (देश.) मिटाना, नष्ट करना ६. घटना।

निघरघट वि. (तत्.) 1. जिसका कहीं ठिकाना न हो, जिसका कहीं घर घाट न हो 2. निर्लज्ज।

निघरघटपन पुं. (तत्.) निर्लज्जत्व।

निघरा वि. (तत्.) जिसके घर-बार न हो, निगोड़ा।

निघर्ष पुं. (तत्.) ६. निघर्षण।

निघर्षण पुं. (तत्.) घर्षण, घिसना, रगड़ना।

निघस पुं. (तत्.) भोजन, खाद्य, आहार।

निघा स्त्री. (फा.) ६. निगाह।

निघात पुं. (तत्.) 1. आघात, प्रहार 2. अनुदान्त स्वर।

निघाति स्त्री. (तत्.) लौहदंड, वह लोहे का खंड जिस पर हथौड़े आदि का आघात पड़े, निहाई।

निघाती वि. (तत्.) 1. मारने वाला, प्रहार करने वाला 2. वध करने वाला।

निघुष्ट पुं. (तत्.) 1. ध्वनि शब्द 2. हल्ला-गुल्ला, शोर।

निघृष्ट पुं. (तत्.) 1. घर्षित, रगड़ा हुआ, घर्षण युक्त 2. मर्दित, पराभूत।

निघृष्व पुं. (तत्.) 1. खुर 2. खुर का निशान 3. वायु, हवा 4. खच्चर 5. सूअर 6. मार्ग, सड़क, निम्न, छोटा, तुच्छ 2. घर्षित, रगड़ा हुआ।

निचंद्र पुं. (तत्.) एक दानव का नाम।

निचक्र पुं. (तत्.) हस्तिनापुर के एक राजा जो असीमकृष्ण के पुत्र थे, हस्तिनापुर को जब गंगा बहा ले गई तब इन्होंने कौशांबी में राजधानी बसाई।

निचमन पुं. (तत्.) थोड़ा-थोड़ा पीना।

निचय पुं. (तत्.) 1. समूह 2. निश्चय 3. संचय।

निचला वि. (देश.) नीचे का, नीचे वाला, नीचे वाला भाग, (तत्.) अचल, जो हिलता डोलता न हो, स्थिर।

निचाई स्त्री. (देश.) 1. नीचा होने का भाव, नीचापन 2. नीचे की ओर दूरी या विस्तार 3. नीच होने का भाव, नीचता, ओछापन।

निचान स्त्री. (तद्.) 1. नीचापन 2. ढाल, ढालुवाँपन।

निचिंत वि. (तद्.) चिंतारहित, बेफिक्र, सुचिंत।

निचि पुं. (तत्.) कानों के सहित गाय का सिर।

निचिकी स्त्री. (तत्.) अच्छी गाय।

निचित पुं. (तत्.) 1. संचित, इकट्ठा 2. पूरित, व्याप्त 3. तैयार, निर्मित 4. संकीर्ण 5. ढका हुआ 6. पुंजीभूत।

निचिता पुं. (तत्.) ६. निचिंता।

निचुड़ना पुं. (तत्.) 1. रस से भरी या गीली चीज का इस प्रकार दबाना कि रस या पानी टपक कर निकल जाए 2. दब कर पानी या रस छोड़ना